महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थपित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में 'स्वाधीनता संग्राम और भारतीय दृष्टि : छायावाद के विशेष संदर्भ में' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार को

वर्धा, दि. 21 दिसंबर 2023: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वाधीनता संग्राम और भारतीय दृष्टि (छायावाद के विशेष संदर्भ में) विषय पर हिंदी साहित्यविभाग द्वारा शुक्रवार 22 दिसंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो. भीमराय मेत्री की अध्यक्षता पूर्वाह्न 10:30 बजे तुलसी भवन स्थित ग़ालिब सभागार में किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी एवं जगत गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश के पूर्व कुलपति डॉ. योगेश चन्द्र दुबे (ऑनलाइन) संबोधित करेंगे। लोकमत, नागपुर के संपादक विकास मिश्रा विशिष्ट वक्ता होंगे। संगोष्ठी में प्रो. वशिष्ठ 'अनूप', अध्यक्ष, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (ऑनलाइन), डॉ. विनोद मिश्र, प्रोफेसर, हिंदी विभाग,त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला (ऑनलाइन), प्रो. प्रमोद कोवप्रत, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, कालिकट (ऑनलाइन) संबोधित करेंगे। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अखिलेश कुमार दुबे विषय प्रवर्तन करेंगे। हिंदी साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार प्रास्ताविक वक्तव्य देंगे। सत्र का संचालन हिंदी साहित्यविभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह करेंगे तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी साहित्य विभाग की प्रो. प्रीति सागर करेंगी।

अपराह्न 02:30 से 06:00 बजे तक अकादमिक सत्र 'छायावादी कवियों के काव्य में स्वाधीनता का भाव' की अध्यक्षता हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन (कालिकट) करेंगे। इस सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. रामकिशोर शर्मा, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (ऑनलाइन), डॉ. दीपेन्द्र सिंह जड़ेजा,आचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी भाषा एवं साहित्यविभाग,महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, प्रो. हितेन्द्र मिश्र,अध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, (ऑनलाइन)प्रो. भारती गोरे,अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, संभाजी नगर (ऑनलाइन), प्रो. शिव प्रसाद शुक्ल, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (ऑनलाइन), डॉ. रामपाल गंगवार,अध्यक्ष, हिंदी विभाग,बाबासाहेब अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय,लखनऊ (ऑनलाइन), डॉ. गौरी त्रिपाठी, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुरू घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,बिलासपुर, डॉ. शार्दूल विक्रम सिंह, प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश तथा डॉ. जयशंकर बाबू, एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, कालापेट, पांडिचेरी (ऑनलाइन) संबोधित करेंगे। वक्ता के रूप में हिंदी विवि के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामानुज अस्थाना, हिंदी साहित्य विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह वक्तव्य देंगे। सत्र का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप सपकाले करेंगे तथा हिंदी साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार आभार ज्ञापित करेंगे। द्वितीय अकादमिक सत्र महादेवी सभागार में 'छायावादी कवियों के काव्य में स्वाधीनता का भाव' विषय पर होगा जिसमें हिंदी विवि के दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनंद पाटील, प्रो. अनिल विश्वकर्मा, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, बाराबंकी-लखनऊ, उत्तर प्रदेश, डॉ. जयशंकर बाबू, एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय,कालापेट, पांडिचेरी (ऑनलाइन), प्रो. सतीश चतुर्वेदी 'शाकुंतल', अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, गुना, मध्यप्रदेश (ऑनलाइन), डॉ. रवीन्द्र कात्यायन, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मणीबेन नानावटी महिला महाविद्यालय, मुंबई (ऑनलाइन), डॉ. मलखान सिंह, सहायक प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली आदि विशिष्ट वक्ता के रूप में तथा वक्ता के रूप में विवि के हिंदी साहित्य विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप सपकाले संबोधित करेंगे। सत्र का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार करेंगे तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. कोमल कुमार परदेशी आभार ज्ञापित करेंगे।